Title: Need to help small farmers and landless labourers repay their loans in case of loss to their crops.

श्री ्सुन्दर लाल ति्वारी (री्वा): उपाध्यक्ष महोद्य, दे्श के गरी्ब कि्सानों और ्भूमिहीन कि्सान मजदूरों की हालत अ्त्यंत द्यनी्य है। फ्सल न होने पर लि्या ग्या ऋण चुकाने के लि्ये उन्हें तरह-तरह ्से मज्बूर कि्या जाता है। हाल ही में आंध्र प्रदे्श में के्वल गुन्टूर जिले में 18 गरी्ब कि्सानों को अपने कृ्ि ऋणों को अदा करने के लि्ये अपनी किडनी ्बेचने के लि्ये मज्बूर होना प्ड़ा।

मेरा ्सरकार ्से अनुरोध है कि दे्श में, वि्शे्ाकर उन जिलों में जहां किन्हीं कारणों ्से कृ्ि पैदा्वार अच्छी नहीं हुई है, छोटे कि्सानों और ्भूमिहीन कि्सान मजदूरों की ्स्थिति का अध््य्यन करे और उनके ऋणों को अदा करने में उनकी मदद करे।